

**भारत सरकार**  
**पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय**  
**लोक सभा**  
**अतारांकित प्रश्न संख्या 2004**  
**बुधवार, 11 फरवरी 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**तटीय कटाव के लिए अध्ययन**

†2004. श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पिछले पाँच वर्षों के दौरान वलसाड एवं नवसारी तटरेखा के संबंध में राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) द्वारा किए गए नवीनतम तटरेखा परिवर्तन एवं तटीय अपरदन अध्ययनों के प्रमुख निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) वलसाड जिले के उन ग्रामों के नाम क्या हैं जिन्हें राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) द्वारा अपरदन-प्रवण अथवा उच्च जोखिम क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है;
- (ग) क्या राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) द्वारा तीथल समुद्र तट तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों के लिए कोई स्थल-विशिष्ट तटीय अपरदन आकलन किया गया है, यदि हाँ, तो उसके अंतर्गत अनुशंसित तटीय संरक्षण उपायों का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) क्या सरकार द्वारा वलसाड एवं नवसारी जिलों में तटीय संरक्षण अथवा अपरदन-निवारण कार्य हेतु कोई तकनीकी अथवा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)  
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन एक संबद्ध कार्यालय, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (NCCR) ने 1990-2022 की अवधि के लिए रिमोट-सेंसिंग डेटासेट का उपयोग करके गुजरात तट के वलसाड और नवसारी के तटीय जिलों में किनारों में बदलाव का एक अद्यतित आकलन किया है। परिणामों से संकेत मिलता है कि वलसाड तटरेखा के लगभग 58% (36.62 किमी) भाग पर अलग-अलग तीव्रता का कटाव हुआ है, जिसमें 2.5 किमी ज़्यादा कटाव, 3.24 किमी मध्यम कटाव और बाकी 30.88 किमी का कम कटाव शामिल है। इसी तरह, नवसारी तटरेखा का लगभग 60% (24.64 किमी) भाग पर कटाव हुआ, जिसमें 3.86 किमी ज़्यादा कटाव, 4.60 किमी मध्यम कटाव और 16.18 किमी कम कटाव वाली श्रेणी शामिल हैं।

तालिका: वलसाड और नवसारी जिलों में समुद्र तट में बदलाव का विवरण (1990-2022)।

1990-2022										
जिले	तटीय लंबाई	कटाव					स्थिर		वृद्धि	
		अल्प	मध्यम	उच्च	किमी	%	किमी	%	किमी	%
वलसाड	62.78	30.88	3.24	2.5	36.62	58.3	16.12	25.7	10.04	16.0
नवसारी	40.88	16.18	4.6	3.86	24.64	60.3	6.66	16.3	9.58	23.4

- (ख) राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र तटीय रेखा बदलाव वर्गीकरण के अनुसार, उदवाड़ा के उत्तर का क्षेत्र उच्च-कटाव क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है, जबकि भागल का तटीय इलाका मध्यम-कटाव श्रेणी में आता है; दोनों को कटाव-संभावित/उच्च-जोखिम वाला क्षेत्र माना जाता है। गोवाड़ा, देहरी सागर तट, उमरगाँव सागर तट, नरगोल, मालवन सागर तट, मरोली, कलगाम बरियावाड़ सागर तट, फांसा, उमरसदी, तीथल और कोसांबा जैसे अन्य तटीय इलाकों को अल्प-कटाव श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।
- (ग) जी हाँ। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र ने तीथल क्षेत्र सहित पूरे समुद्र तट के लिए एक दीर्घ-कालिक (32-साल) तटीय रेखा परिवर्तन आंकलन किया है। हालाँकि, एनसीसीआर ने किसी भी तटीय सुरक्षा की सिफारिश नहीं की है।
- (घ) राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र तटीय प्रक्रियाओं और समुद्र तट प्रबंधन पर व्यवस्थित अनुसंधान एवं विकास कार्य करता है, और संवेदनशील भागों की पहचान करके, स्थल-विशिष्ट बचाव उपायों की सिफारिश करके, और समुद्र तट प्रबंधन योजनाओं (SMPs) को तैयार करने में सहायता करके तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की मदद करता है। इन उपायों को लागू करने की ज़िम्मेदारी संबंधित तटीय राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों की है। हालाँकि, कटाव से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए, सरकार ने 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर 20 जून 2024 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कोष (NDMF) के तहत तटीय और नदी कटाव के लिए निधियों के आंकलन और इसे निर्गमित करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। ये दिशानिर्देश राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कोष के तहत कटाव कम करने के उपायों और राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (NDRF) के तहत विस्थापित आबादी के पुनर्वास दोनों के लिए हैं, जिसमें 2021-26 के लिए 1500 करोड़ रुपये के आवंटन की सिफारिश की गई है।

\*\*\*\*\*